Skill – 2

वार्तालाप की कलायें

जब आप किसी से बात कर रहे हों तो आपको :

1. **उस व्यक्ति की तरफ देखना चाहिए।**
2. **यदि कोई प्रश्न आपसे किया गया है तो उसका पूरा–पूरा जवाब दीजिये। केवल "हाँ" या "नहीं"** कहने से यह नहीं पता चलता है कि आप वार्तालाप जारी रखने के इच्छुक हैं।
3. **नकारात्मक वक्तव्यों से बचना चाहिए–**अपनी पुरानी समस्याओं पर बात करना, डींग हाँकना, अपशब्द कहना, कोसना, या अन्य नकारात्मक बातों को कहने से दूसरे व्यक्ति पर आपका प्रभाव अच्छा नहीं पड़ता।
4. **उपयुक्त व्याकरण का प्रयोग करना चाहिये :** आप मित्रों के साथ ऊट–पटांग भाषा का प्रयोग कर सकते हैं, लेकिन मेहमानों के साथ आप ऐसा मत कीजिये।
5. वार्तालाप को शुरू करने के लिए या जारी रखने के लिए, किसी नई या रोचक घटना के विषय में प्रश्न किये जा सकते हैं, या किसी विषय पर दूसरों के विचार जाने जा सकते हैं।

वार्तालाप की अच्छी कलाओं का होना आवश्यक होता है, क्योंकि इससे आप दूसरों को अपने विचार बता सकते हैं और साथ में उनके विचार भी जान सकते हैं। वार्तालाप की अच्छी कलाओं के चलते मेहमान को अच्छा लगता है और आपसे मुलाकात करके उन्हें आनन्द आता है। नई नौकरी के आवेदन के समय, या नये लोगों से मिलते समय भी वार्तालाप की कलायें आपकी मदद करती हैं।

उपयोगी बातें :

- वार्तालाप में दूसरे व्यक्ति के विचारों को सदैव सम्मिलित कीजिये, अन्यथा वह वार्तालाप नहीं रहता।
- अन्य व्यक्ति जो कुछ भी कह रहा हो, यदि आप उसकी बातों से सहमत नहीं भी हैं, तो भी आप उसकी बातों में रुचि दिखाते हुये मुस्कराइये।
- आप सामयिक घटनाओं पर अधिक जोर दीजिये, क्योंकि तब आपके पास बातें करने के लिये बहुत विषय होते हैं। जो लोग सामयिक विषयों पर बात कर सकते हैं, व जो वार्तालाप अच्छा करते हैं, उन व्यक्तियों को दूसरे लोग पसंद करते हैं व उनकी प्रशंसा करते हैं।